

RSM-08
Optional Paper
PHILOSOPHY - I
दर्शन शास्त्र - I

Total Pages : 32

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 200

Answer Booklet No.

101476

Roll No. _____

(In Figures)

Roll No. _____

(In words)

(Signature of the Invigilator)

(Signature of the Candidate)

FOR EXAMINER'S USE ONLY					
Marks Obtained					
PART - A		PART - B		PART - C	
Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained
1		21		33	
2		22		34	
3		23		35	
4		24		36	
5		25		37	
6		26		38	
7		27		39	
8		28			
9		29			
10		30			
11		31			
12		32			
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
Total		Total		Total	

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Write your Roll Number in the space provided on the Top of this page.
2. Read the instructions given inside carefully.
3. Two pages are attached at the end of the Test Booklet for rough work.
4. You should return the Test Booklet to the Invigilator at the end of the examination and should not carry any paper with you outside the examination hall.
5. A candidate found creating disturbance at the examination centre or misbehaving with Invigilation Staff or cheating will render himself liable to disqualification.

Marks Obtained :

Part - A :

Part - B :

Part - C : _____

Total : _____

(Marks in Words)

(Signature of Examiner)

(Signature of Head Examiner)

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश

- (1) पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिये।
- (2) अन्दर दिये गये निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- (3) उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिये दो पेज (Pages) दिये हुए हैं।
- (4) आपको परीक्षा के समय की समाप्ति पर उत्तर-पुस्तिका को निरीक्षक महोदय को लौटाना होगा और परीक्षा भवन से बाहर जाते समय कोई भी कागज अपने साथ नहीं ले जाना होगा।
- (5) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर व्यवधान उत्पन्न करता है या वीक्षण स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार करता है अथवा वंचनापूर्ण कार्य करता है तो वह स्वयं ही अयोग्यता के लिये उत्तरदायी होगा।

This question paper contains 32 pages]

RSM-08
PHILOSOPHY
दर्शन शास्त्र
Paper - I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 200

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 200

IMPORTANT NOTES

महत्वपूर्ण निर्देश

- (a) The question paper has been divided into three parts—Part A, B and C. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each part.
प्रश्न-पत्र “अ”, “ब” और “स” तीन भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस भाग में अंकित किये गये हैं।
- (b) Attempt answers *either* in Hindi *or* English, not in both.
उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में से किसी एक में दीजिये। दोनों में नहीं।
- (c) Answers to all the questions of each part should be written continuously in the script and should not be mixed with those of other parts. In the event of, candidate writing answers to a question in a part different to the one to which the question belongs, the question shall not be assessed by the examiner.
उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक भाग के समस्त प्रश्नों के उत्तर क्रमवार देने चाहिये तथा एक भाग में दूसरे भाग के उत्तर नहीं मिलाने चाहिये। एक भाग में दूसरे भाग के प्रश्न के उत्तर लिखे जाने पर ऐसे प्रश्न को जांचा नहीं जायेगा।
- (d) The candidates should not write the answers beyond the limit of words prescribed in parts A, B and C failing which the marks can be deducted.
अभ्यर्थियों को भाग “अ”, “ब” और “स” में अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखने चाहिये। इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
- (e) In case candidate makes any identification mark i.e. Roll No./Name/Telephone No./ Mobile No. or any other marking either outside or inside the answer book, it would be treated as using unfair means. The candidature of the candidate for the entire examinations shall be rejected by the Commission, if he is found doing so.
अभ्यर्थी द्वारा उत्तर पुस्तिका के अन्दर अथवा बाहर पहचान चिह्न यथा-रोल नम्बर/नाम/मोबाईल नम्बर/टेलिफोन नम्बर या अन्य कोई निशान इत्यादि लिखे जाने अथवा अंकित किये जाने को अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा। आयोग द्वारा ऐसा पाये जाने पर अभ्यर्थी की सम्पूर्ण परीक्षा में अभ्यर्थिता रद्द कर दी जावेगी।

Note : Attempt all the *twenty* questions. Each question carries 2 marks. Answer should not exceed 15 words.

नोट : समस्त 20 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 15 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

1. Name all the Samhitas.

सभी संहिताओं के नाम लिखें।

2. What is the ultimate goal of life according to Charvaka ?

चार्वाक अनुसार जीवन का चरम-लक्ष्य क्या है?

3. What is the chief purpose of Upanisadic Philosophy ?

उपनिषदीय-दर्शन के मुख्य प्रयोजन क्या हैं?

4. Name the epistemological doctrine of Jainism.

जैन मत के ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त का नाम लिखें।

5. What does Charvāka philosophy say about causal relation.

चार्वाक-दर्शन कारण-संबंध के विषय में क्या कहता है?

6. Adṛṣṭa is accepted in which philosophical system.

किस दार्शनिक मत में अदृष्ट स्वीकृत है?

7. Is Sāṅkhya philosophy atheistic ?

क्या सांख्य-दर्शन निरीश्वरवादी है?

8. What kind of difference is admitted in Brahman according to Ramanuja ?

रामानुज के अनुसार ब्रह्म में कौन सा भेद मान्य है?

9. Who has refuted the doctrine of Māyāvāda of Śaṅkara.
शंकर के मायावाद सिद्धान्त का खण्डन किसने किया है?

10. Samyaka Vāka is included in which Arya-satya of Buddhism.
बौद्ध मत के किस आर्यसत्य के अन्तर्गत सम्यक वाक् को रखा गया है?

11. Name the theory of Error according to Nyaya philosophy.
न्याय-दर्शन के अनुसार भ्रम सिद्धान्त का नाम लिखें।

12. What is the meaning of Arthapatti Pramāna ?
अर्थापत्ति-प्रमाण का क्या अर्थ है?

13. How many pramaṇas are accepted in Buddhism ?

बौद्ध मत के अन्तर्गत कितने प्रमाण मान्य हैं ?

14. Why Prakriti is called Trigūṇatmika ?

प्रकृति को त्रिगुणात्मिका क्यों कहा गया है ?

15. Give the chief subject-matter of Mimāṇsā.

मीमांसा के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय को प्रस्तुत करें।

16. Write the names of the means for attaining liberation according to Advait-vedānta.

अद्वैत-वेदान्त के अनुसार मोक्ष-प्राप्ति के साधनों का नाम लिखें।

17. What is meant by Nirvikalpak Jñāna ?

निर्विकल्पक-ज्ञान से क्या तात्पर्य है?

18. How many Dravyas (substance) are accepted by Vaiśeṣika philosophy ?

वैशेषिक-दर्शन में कितने द्रव्य स्वीकृत हैं?

19. What is Svābhāvavāda ?

स्वभाववाद क्या है?

20. What is Prāgabhāva (ante-cedent non-existence)

प्रगाभाव क्या है?

PART - B
भाग - ब

Marks - 60
अंक - 60

Note : Attempt all the *twelve* questions. Each question carries 5 marks. Answer should not exceed 50 words.

नोट : समस्त 12 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

21. Explain the refutation of Inference according to Charvāka.

चार्वाक के अनुसार अनुमान के खण्डन की व्याख्या कीजिए।

22. Discuss Anātmavāda of Buddhism.

बौद्ध मत के आनात्मवाद का विवेचन कीजिए।

25. Discuss the concept of world in the philosophy of Śaṅkara.

शंकर के दर्शन में जगत् की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

26. What is meant by Svataḥprāmāṇyavāda?

स्वतःप्रामाण्यवाद से क्या अभिप्राय है?

29. Explain the concept of liberation in Jainism.

जैन मत में मोक्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

30. Describe the various forms of liberation according to Ramanuja.

रामानुज के अनुसार मोक्ष के विविध स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

31. Explain Prativitya samutpada doctrine.

प्रतीत्य समुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

32. Explain the significance of Brahmacharya in the philosophy of Mahatma Gandhi.

महात्मा गांधी के दर्शन में ब्रह्मचर्य का वैशिष्ट्य व्याख्यापित करें।

PART - C
भाग - स

Marks - 100
अंक - 100

Note : Attempt any *five* questions. Each question carries 20 marks. Answer should not exceed 200 words.

नोट : कोई भी 5 प्रश्न कीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

33. Discuss the concept of Vidyā and Avidya in the Upaniṣads.

उपनिषदों में विद्या एवं अविद्या की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

Lined writing area with 25 horizontal lines.

34. Explain with example, the inference as means of knowledge according to Nyaya philosophy.

न्याय-दर्शन के अनुसार ज्ञान के साधन के रूप में अनुमान की सोदाहरण व्याख्या करें।

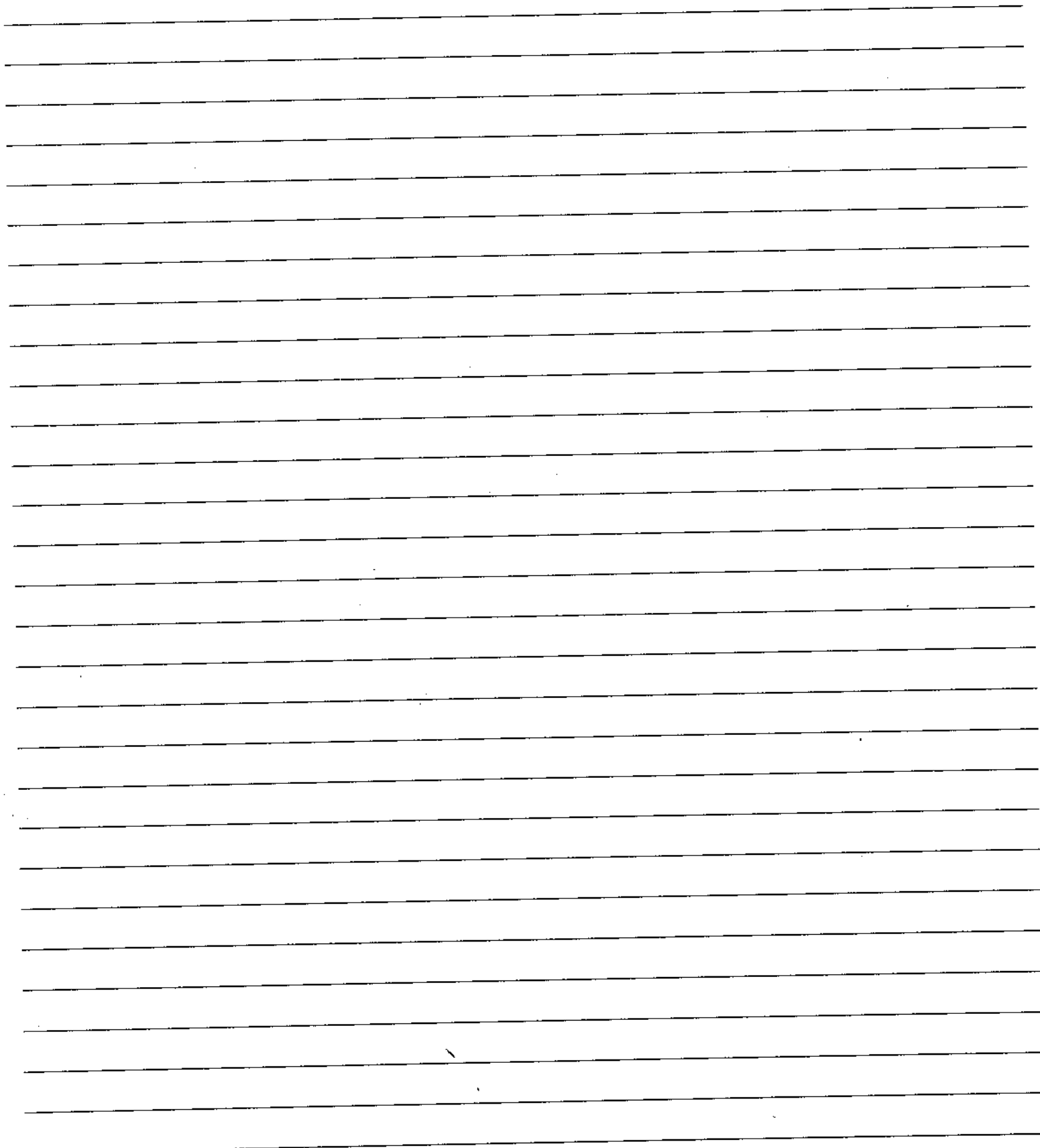
36. Explain the doctrine of akhyati in Mimāṅsā.

मीमांसा दर्शन में अख्याति-सिद्धान्त की व्याख्या करें।

Lined writing area with horizontal lines.

37. Bring out the meaning and significance of Dharma in the philosophy of S. Radhakrishnana.

सर्वेपल्लि राधाकृष्णन् के दर्शन धर्म के अर्थ व महत्त्व पर प्रकाश डालिए।



39. Clearly distinguish the concept of Brahman in Śaṅkara and Ramanuja's Philosophy.
शंकर एवं रामानुज के दर्शनों में ब्रह्म विचार का सुस्पष्ट अन्तर स्पष्ट करें।

SPACE FOR ROUGH WORK
कच्चे कार्य के लिये स्थान

SPACE FOR ROUGH WORK
कच्चे कार्य के लिये स्थान

